अध्याय-तृतीय

शोध-प्रविधि

अध्याय- तृतीय

शोध प्राविधि

समस्या के बिना अनुसंधान में संधोधन के लिये इधर-उधर की निरूद्देश्य क्रियाओं से कभी-कभी चमत्कारिक परिणाम अवश्य प्राप्त हो सकते हैं, परन्तु अधिकांश स्थितियों में कोई सार्थक सामन्यीकरण नहीं हो सकता। अनुसंधान को दिशा प्रदान करने के लिए किसी शोध समस्या का होना नितांत आवश्यक है। शोध समस्या के लिए हमें किन प्रक्रिया से गुजरना होगा यह शोधकर्ता को जानना अत्यंत आवश्यक है। प्रस्तुत शोध में विकलांग बच्चों के लिए विशेष विद्यालय के समेकित शिक्षा के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं, गतिविधयों एवं उपलब्धियों का अध्ययन किया गया है।

इस अध्याय में -

- शोध प्रारूप
- न्यादर्श
- शोध उपकरण

3.1 शोध उपकरण

शोध उपकरणों का प्रशासन एवं प्रदत्तों का संकलन का समावेश किया गया हैं।

- प्रश्नावली (केस स्टडी प्रपत्र)
- निरीक्षण पद्धति
- साक्षात्कार विधि

3.2 शोध का शीर्षक

प्रस्तुत शोध अध्ययन का शीर्षक

समेकित शिक्षा के संदीर्भ में जूनागढ़ जिले की विशेष विद्यालययों का अध्ययन।

3.3 शोध समस्या की सीमाएं

किसी भी प्रकार के अनुसंधान की रूपरेखा तैयार करते समय उसकी सीमाओं का निर्धारण कर लेना चाहिए। क्योंकि यदि सीमाओं का निर्धारण नहीं किया गया तो अनुसंधान से प्राप्त निष्कर्ष का सामान्यीकरण करने में कठिनाई आयेगी और पूरा अध्ययन कई स्थानों पर बिखरा -बिखरा दृष्टिगत होगा। सीमाओं का निर्धारण नहीं होने पर अध्ययन पर नियंत्रण स्थापित करने में परेशानी का अनुभव होगा। अतः

इस अध्ययन के लिये भी शोधकर्ता ने कुछ सीमाओं का निर्धारण किया है जो निम्नानुसार है :-

1. प्रस्तुत अध्यन केवल गुजरात राज्य के जूनागढ़ जिले तक सीमित है।
2. प्रस्तुत अध्ययन में जूनागढ़ जिले कि विशेष विद्यालय सम्मिलित की है।
3. प्रस्तुत अध्ययन में जूनागढ़ जिले की जो विभिन्न प्रकार के विकलांगता वाले बच्चों को प्रशिक्षण दे रही है इन विद्यालयों को सम्मिलित किया गया है।
4. प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए तीन विशेष विद्यालयों को सम्मिलित कियागया है जो निम्नानुसार है :-
    1. राष्ट्रीय अंधजन मंडल, वंथलीरोड, जूनागढ़
    2. एम. पी. शाह विकलांग विद्यालय, जूनागढ़
    3. मंगल मूर्ति विकलांग विद्यालय, जूनागढ़

3.4 न्यादर्श का चयन :-

किसी भी अनुसंधानकर्ता को अपने शोध रूपी भवन को बनाने के लिए न्यादर्श रूपी आधार शिला की आवश्यकता होती है। वह आधार शिला जितनी मजबूत होगी, शोध कार्य उतना सुदृढ़ होगा।

गुजरात राज्य के जूनागढ़ जिले की सभी विशेष विद्यालय को चयन 'केस स्टडी प्रपत्र' से लिया है। ऐसे विद्यालय का चयन किया गया जो समेकित शिक्षा के अंतर्गत कार्यरत् है और विभिन्न प्रकार के विकलांग बालको को पढ़ाते हैं।

3.5 शोध उपकरण एवं तकनीक

आंकड़े एकत्र करने के लिये विभिन्न प्रकार के उपकरणों की आवश्यकता होती है, सफल अनुसंधान के लिये उपर्युक्त यंत्रों एवं उपकरणों का चयन अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। शोधकर्ता द्वारा अपने अध्ययन के निर्धारित उददेश्यों की पूर्ति के लिये उपकरणों का विकास तथा कुशलता पूर्वक प्रयोग किये जाने का अपना महत्व है, अतः नये उपकरण का निर्माण अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।

व्यावहारिक दृष्टिकोण से भी उपकरण ऐसा होना चाहिए जिसके द्वारा अध्ययन में विशेष सुविधा रहे। उत्तरदाताओं से मैत्री की भावना बनी रहे तथा अनुमति लेनें में कठिनाई न हो तथा जिसकी प्रक्रिया बहुत कठिन न हो व असुविधाजनक भी न हो, इस शोध कार्य में उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये अग्रलिखित शोधकर्ता द्वारा निर्मित उपकरण का उपयोग किया गया है।

प्रस्तुत शोध कार्य से शोधकर्ता ने संस्थान "स्थिति अध्ययन उपकरण" का उपयोग किया। संस्थान की स्थिति अध्ययन करने हेतु शोधकर्ता ने प्रश्नावली का निर्माण किया। प्रश्नावली (जो संस्था प्रमुख एवं शिक्षकों के लिए), निरीक्षण पद्धति, जिसका संस्थान अवलोकन हेतु निर्माण स्वयं शोधकर्ता ने किया साक्षात्कार पद्धति, जो

कि (विकलांग बच्चों से जानकारी प्राप्त करने हेतु बनायी गई।)

प्रश्नावली

साधारणतः किसी विषय से संबंधित व्यक्तियों से सूचना प्राप्त करने के लिये बनाये गये प्रश्नों की सुव्यवस्थित सूची को प्रश्नावली कहा जाता है।

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता में विकलांग बच्चों के लिये वर्तमान में चल रही समेकित शिक्षा योजना के अंतर्गत संस्थान के प्राचार्य एवं शिक्षकों के लिये दी जा रही सुविधाओं को ध्यान में रखकर प्रश्नावली तैयार की है।

प्रश्नावली से जानकारी निम्न बिंदुओं के आधार पर प्राप्त की :-

1. संस्था के प्रकार।
2. संस्था का इतिहास।
3. संस्था के उद्देश्य।
4. संस्था के आय स्त्रोत।
5. शिक्षक एवं विद्यार्थी की संख्या।
6. अभिभावकों से संस्था को सहयोग।
7. स्त्रोत शिक्षकों की सुविधा।
8. शिक्षकों का अनुभव मासिक वेतन, रहने की सुविधा, शैक्षिक योग्यता।
9. शिक्षकों द्वारा पूर्व से विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली संस्था तथा अन्य जानकारी।

निरीक्षण पद्धति

निरीक्षण वह प्रक्रिया है जिसमें एक या अधिक व्यक्ति वास्तविक जीवांत स्थिति में घटने वाली क्रियाओं को देखते हैं और घटनाओं की श्रेणियाँ बनाते हैं और जिनका किसी योजनागत् विधि से संलेख तैयार करते हैं। अनुसंधान तकनीक के रूप में निरीक्षण एक कुशल और एक विशिष्ट लक्ष्य के लिये होना चाहिए वह न तो आकस्मिक है, न अनियोजित।

प्रस्तुत अनुसंधान में शोधकर्ता ने विशेष विद्यालय में समेकित शिक्षा योजना के अंतर्गत होने वाली व्यावसायिक गतिविधियों एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की गयी है।

निरीक्षण पद्धति से जानकारी निम्न बिदुओं के आधार पर प्राप्त की गयी है :-

1. शैक्षिक अधिगम सामग्री।
2. शैक्षिक आंकलन की सुविधायें।
3. पाठ्य सहगामी क्रियायें।
4. संस्था संरचना।

साक्षात्कार विधि

साक्षात्कार एक अध्ययन विधि भी है और अध्ययन यंत्र भी है जिसकी सहायता से महत्वपूर्ण आंकड़े एकत्रित किये जाते हैं।

प्रस्तुत अनुसंधान में शोधकर्ता ने विशेष विद्यालयों में अध्ययन कर रहे सभी प्रकार के 52 विकलांग बालकों का साक्षात्कार लिया जिसमें उन्हें मिल रही सुविधाओं तथा किसी प्रकार की समस्या संबंधित जानकारी ली।

साक्षात्कार विधि से जानकारी निम्न बिंदुओं के आधार पर प्राप्त की गयीः-

1. बालकों का भौतिक चिकित्सा परीक्षण।
2. बालकों को मिलने वाली छात्रवृति व रहने की सुविधा।
3. व्यावसायिक मार्गदर्शन।
4. बालकों के लिये आवश्यक सहायक सामग्री।

3.6 शोध उपकरण का प्रशासन

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता ने प्रदत्तों के संकलन हेतु जो उपकरण तैयार किया। जिन विशेष विद्यालयों को न्यादर्श के रूप में चयन किया उन विशेष विद्यालयों को शोधकर्ता ने शाला की समय सारणी का अध्ययन किया। उन स्कूलों के प्राचार्य से बात की और भविष्य में अपने प्रयोजन हेतु कल्पना दी और अपने शोध कार्य हेतु की तिथि निश्चित कर ली।

प्रश्नावली के पहले शोधकर्ता ने संस्था प्रमुख को अपना सम्पूर्ण परिचय दिया और इस लघुशोध करने का कारण बतलाया गया। प्रश्नावली शुरू करने से पूर्व शोधकर्ता ने संस्था प्रमुख से विशेष शिक्षा के अनुसंधान के बारे में वार्तालाप की उसके पश्चात प्रश्नावली संबंधित कुछ निर्देशों से अवगत कराया। जो कि प्रश्नावली की वैद्धता के लिए एवं प्रशासन के लिए अति आवश्यक थे।

प्रश्नावली के निर्देश जो कि निम्नानुसार है

1. सभी प्रश्नों का उत्तर दें।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को चिन्हों से अंकित करें।
3. विवरणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखित में एवं योग्य ।
4. शाला की सुविधाओं से सबंधित जानकारी ।
5. शाला गतिविधियों और उपलब्धियों से संबंधित जानकारी दें।
6. शिक्षकों की वैयक्तिक जानकारी।
7. शाला की शैक्षिक सुविधाओं से संबंधित जानकारी।
8. विभिन्न क्षेत्र में विद्यार्थियों की प्रगति की जानकारी।
9. सभी प्रश्नों की जानकारी सत्य रूप से लिखें।

विकलांग बच्चों की साक्षात्कार अनुसूची का प्रशासन :-

उपरोक्त अनुसूची की तरह की अनुसंधान कर्ता ने इस अनुसूची का भी निर्माण किया छात्रों की मानसिकता को ध्यान में रखकर सरल प्रश्नों को सम्मिलित किया गया ताकि उचित जानकारी सहजता से प्राप्त हो सके।

3.7 प्रस्तुत शोध उपकरण के विश्लेषण की विधि :-

प्रस्तुत शोध गुजरात राज्य के जूनागढ़ जिले की तीन विशेष विद्यालय की गई है। तीन को विद्यालय का चयन केस स्टडी प्रपत्र विधि से किया गया। प्रत्येक विद्यालय के संस्था प्रमुख शिक्षक एवं छात्रों का चयन साक्षात्कार के लिये किया गया शोध में उपयोग किये जाने वाले उपकरणों की मदद से जानकारी एकत्र की गई। प्राप्त प्रदत्तों का आवश्यकतानुसार विश्लेषण करके सत्यता की जाँच की । फिर प्राप्त परिणामों के आधार पर सुझाव प्रस्तुत किये गये।